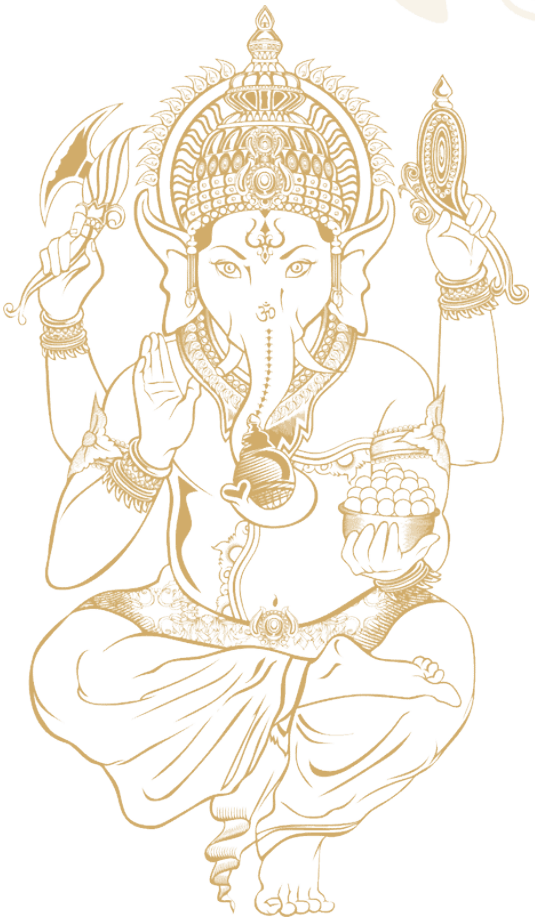

X

Y

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121155802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/10/1989	जन्म तिथि	30/01/2000
गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 21:10:00	जन्म समय	18:45:00 घंटे
घटी 36:44:52	जन्म समय(घटी)	29:05:09 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:28:03	सूर्योदय	07:06:56
17:52:37	सूर्यास्त	18:12:27
23:43:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:16

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 1वर्ष 4मा 3दि		02:54:20	मिथु	लग्न	कर्क	24:05:17	शनि 8वर्ष 8मा 0दि	
राहु		09:29:04	तुला	सूर्य	मक	16:05:38	केतु	
29/02/2008		07:01:02	कन्या	चंद्र	वृश्चि	10:35:02	01/10/2025	
28/02/2026		00:33:38	तुला	मंगल	कुंभ	26:34:31	30/09/2032	
राहु	11/11/2010	29:41:48	कन्या	बुध	मक	26:09:57	केतु	27/02/2026
गुरु	06/04/2013	17:09:02	मिथु	गुरु	मेष	03:54:19	शुक्र	29/04/2027
शनि	11/02/2016	26:02:35	वृश्चि	शुक्र	धनु	13:10:30	सूर्य	04/09/2027
बुध	30/08/2018	15:12:59	धनु	शनि	मेष	16:44:53	चन्द्र	04/04/2028
केतु	18/09/2019	29:42:03	मक व	राहु	कर्क	09:50:28	मंगल	31/08/2028
शुक्र	17/09/2022	29:42:03	कर्क व	केतु	मक	09:50:28	राहु	18/09/2029
सूर्य	12/08/2023	08:31:24	धनु	हर्ष	मक	22:33:07	गुरु	25/08/2030
चन्द्र	10/02/2025	16:13:59	धनु	नेप	मक	10:25:23	शनि	04/10/2031
मंगल	28/02/2026	20:54:55	तुला	प्लूटो	वृश्चि	18:28:50	बुध	30/09/2032

लग्न-चलित

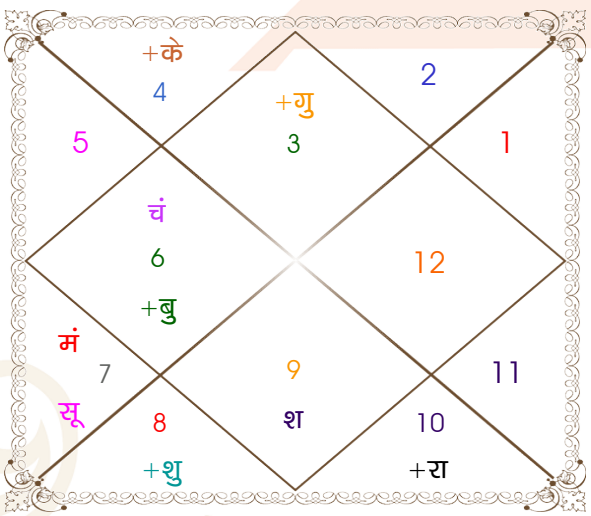

लग्न-चलित

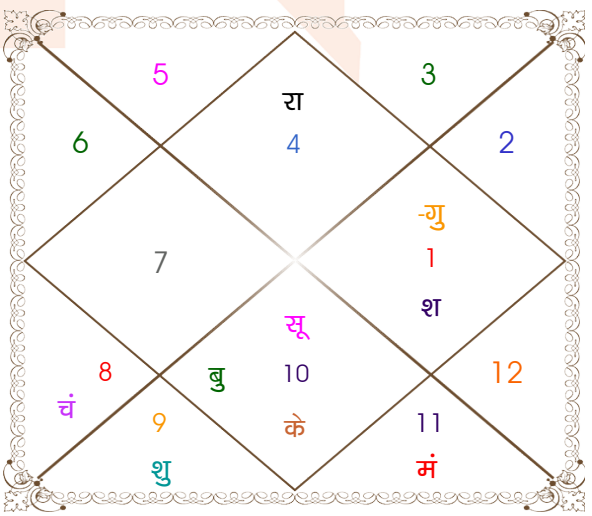

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

X का वर्ग मूषक है तथा Y का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार X और Y का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

X मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Y मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Y कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु X कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

X तथा Y में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।